भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4473

जिसका उत्तर 27 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

नदियों को आपस में जोड़े जाने के विरुद्ध आपत्ति

4473. एडवोकेट अदूर प्रकाशः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी परियोजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या केरल राज्य सरकार ने राज्य में नदियों को आपस में जोड़े जाने के विरुद्ध चिंता और आपत्तियां जताई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केन्द्र सरकार को इस संबंध में केरल राज्य सरकार से कोई पत्र प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क): वर्ष 1980 में, भारत सरकार द्वारा जल के अधिशेष बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों/क्षेत्रों में जल अंतरण करने के लिए नदियों को आपस में जोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना तैयार की गई थी। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण को इस राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत नदियों को आपस में जोड़ने का कार्य सौंपा गया है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत 30 आईएलआर परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिनमें दो घटक अर्थात् हिमालयी घटक (14 परियोजनाएं) और प्रायद्वीपीय घटक (16 परियोजनाएं) हैं। ग्यारह (11) परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, 26 परियोजनाओं की व्यवहार्यता रिपोर्ट और सभी 30 आईएलआर परियोजनाओं की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट का कार्य पूरा किया जा चुका हैं। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत केन-बेतवा लिंक परियोजना पहली आईएलआर परियोजना है, जिसके कार्यान्वयन शुरू हो गया है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत आईएलआर परियोजनाओं की स्थिति का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ख) से (घ): पहले राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण ने इस लिंक परियोजना की व्यवहार्याता रिपोर्ट तैयार करके इसे केरल और तमिलनाडु राज्य के साथ साझा किया था। केरल राज्य सरकार दिनांक 12.12.2023 के पत्र के माध्यम से पंबा - अचनकोविल - वैप्पर लिंक परियोजना के संबंध में यह कहते हुए चिंता जताई है कि पंबा - अचनकोविल केरल का अंतर-राज्यीय नदी है और राज्य सरकार का पंबा - अचनकोविल - वैप्पर लिंक परियोजना को आगे बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है। भारत सरकार, देश में गंभीरता के साथ परामर्श रूप से आईएलआर कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है। तदनुसार, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण ने पक्षकार राज्यों को सूचित किया है कि वे आपसी सहमती से इस लिंक परियोजना के डीपीआर कार्य को पूरा करना सुनिश्चत करें।

*****

अनुलग्नक

"नदियों को आपस में जोड़े जाने के विरुद्ध आपत्ति" के संबंध में लोक सभा में दिनांक 27.03.2025 को दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4473 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

एनपीपी के तहत आईएलआर परियोजनाओं का विस्तृत स्थिति और उनके लाभ

प्रायद्वीपीय घटक

क्रम सं.	नाम	लाभान्वित राज्य	स्थिति
1	महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और ओडिशा (एपी)	एफआर पूरा हो गया है
	वैकल्पिक महानदी (बरमूल) - ऋषिकुल्या - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और ओडिशा	एफआर पूरा हो गया है
2	गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक @	आंध्र प्रदेश	एफआर पूरा हो गया है
3	क.गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक	तेलंगाना	एफआर पूरा हो गया है
	ख.वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक *	तेलंगाना	डीपीआर पूरा हो गया है
4	गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलीचिंतला) लिंक	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूरा हो गया है
5	क.कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक	आंध्र प्रदेश	एफआर पूरा हो गया है
	ख.वैकल्पिक कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक *	आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूरा हो गया है
6	कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश	ड्राफ्ट डीपीआर पूरा हो गया है
7	कृष्णा (अलमाटी) - पेन्नार लिंक	कर्नाटक	ड्राफ्ट डीपीआर पूरा हो गया है
		आंध्र प्रदेश	
8	क. पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	एफआर पूरा हो गया है
	ख. वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक *	आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूरा हो गया है
		तमिलनाडु	
		पुडुचेरी	
9	कावेरी (कट्टलाई) - वैगई - गुंडर लिंक	तमिलनाडु	डीपीआर पूरा हो गया है
10	क.पारबती-कालीसिंध-चंबल लिंक	मध्य प्रदेश और राजस्थान (एमपी)	एफआर पूरा हो गया है
	ख. संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ विधिवत एकीकृत)	मध्य प्रदेश और राजस्थान	ड्राफ्ट पीएफआर पूरा हो गया है
11	दमनगंगा - पिंजल लिंक	महाराष्ट्र (मुंबई के लिए केवल जलापूर्ति)	डीपीआर पूरा हो गया है
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक	गुजरात	डीपीआर पूरा हो गया है
		महाराष्ट्र	
13	केन-बेतवा लिंक	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश	डीपीआर पूरा हो गया है और परियोजना कार्यान्वयन के अधीन है
14	पंबा - अचनकोविल - वैप्पर लिंक	तमिलनाडु	एफआर पूरा हो गया है
		केरल	
15	बेड़ती - वरदा लिंक @@	कर्नाटक	डीपीआर पूरा हो गया है
16	नेत्रावती - हेमावती लिंक **	कर्नाटक	पीएफआर पूरा हो गया है

*मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर सहमति लंबित होने के कारण, गोदावरी नदी के अप्रयुक्त पानी को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया और गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना की डीपीआर पूरी की गई।

गोदावरी-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना तैयार की गई है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट) - कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाएं शामिल हैं।

** गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक - इस परियोजना को आंध्र प्रदेश सरकार ने अपने हाथ में लिया है।

@ बेड़ती - वरदा लिंक - डीपीआर को इसके पीएफआर की तैयारी के बाद ही तैयार किया गया था, कोई एफआर तैयार नहीं किया गया था।

@@ कर्नाटक सरकार द्वारा येत्तिनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद से आगे कोई अध्ययन नहीं किया गया है, क्योंकि इस लिंक के माध्यम से मोड़ने के लिए नेत्रावती बेसिन में कोई अतिरिक्त जल उपलब्ध नहीं है।

<u>हिमालयन घटक</u>

क्रम सं.	**लिंक का नाम**	**लाभान्वित राज्य/देश**	**स्थिति**
1.	कोसी-मेची लिंक	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूरा हुआ
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल	एफआर पूरा हुआ
3.	गंडक - गंगा लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	एफआर पूरा हुआ
4.	घाघरा-यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	ड्राफ्ट एफआर पूरा हुआ
5.	शारदा-यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	एफआर पूरा हुआ
6.	यमुना-राजस्थान लिंक	हरियाणा और राजस्थान	एफआर पूरा हुआ
7.	राजस्थान-साबरमती लिंक	राजस्थान और गुजरात	एफआर पूरा हुआ
8.	चुनार-सोन बैराज लिंक	बिहार और उत्तर प्रदेश	ड्राफ्ट एफआर पूरा हुआ
9.	सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ	बिहार और झारखंड	ड्राफ्ट एफआर पूरा हुआ
10.	मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल पश्चिम) और बिहार (बंगाल	एफआर पूरा हुआ
11.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पीएफआर पूरा हुआ (प्रस्ताव छोड़ दिया गया है(
12.	फरक्का-सुंदरबन लिंक	पश्चिम बंगाल	एफआर पूरा हुआ
13.	गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	एफआर पूरा हुआ
14.	सुवर्णरेखा-महानदी लिंक	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	एफआर पूरा हुआ

*****